



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 15 सितम्बर, 1987/24 भाद्रपद, 1909

हिमाचल प्रदेश सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 3 फरवरी, 1987

संख्या एच०एफ०डब्ल्यू०(बी)(ए) 2-1/85.—हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक व्यवसायी परिषद् सदस्यता (निर्वाचन) नियम, 1986 का प्रारूप, इसके प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की कालावधि के अवसान से पूर्व उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना थी आक्षेप और मुद्दाव आमन्त्रित करने के लिए, हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक व्यवसायी अधिनियम, 1979 (1980 का 3) की धारा 53 की उप-धारा (1) के अधीन यथा अपेक्षित सरकार की सम संख्यांक अधिसूचना तारीख 20 जून, 1986 द्वारा तारीख 6 अगस्त, 1986 के राजपत्र (असाधारण) हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया गया था, और उक्त प्रारूप नियम की बाबत विहित अवधि के भीतर जनता से कोई आक्षेप और मुद्दाव प्राप्त नहीं हुए थे,

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक व्यवसायी अधिनियम, 1979 (1980 का 3) की धारा 53 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं,

अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक व्यवसायी परिषद् सदस्यता (निर्वाचन) नियम, 1986 है ।

(2) ये नियम तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—(1) इन नियमों में जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ विशद न हो,—

- (क) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक व्यवसायी अधिनियम, 1979 अभिप्रेत है ;
- (ख) “निर्वाचक” से होम्योपैथी में ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी अभिप्रेत हैं जो होम्योपैथिक व्यवसायी अधिनियम, 1979 की धारा 1 के अनुसार तैयार किए गए रजिस्टर के भाग “क” और “ख” में दर्ज किए गए हैं ;
- (ग) “प्ररूप” से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत हैं ;
- (घ) “रिटनिंग अधिकारी” से हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति परिषद् का रजिस्ट्रार अभिप्रेत है ;
- (ङ) ऐसे अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इनमें प्रयुक्त हैं, किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वे ही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

3. निर्वाचक नामावली का तैयार किया जाना—रजिस्ट्रार, अधिनियम की धारा 15 और 16 के अधीन तैयार किए गए रजिस्टर में दिए गए रजिस्ट्रीकृत होम्योपैथिक व्यवसायियों के नाम के आधार पर निर्वाचक नामावली तैयार करेगा।

4. निर्वाचन की सूचना—(1) जब कभी परिषद् का निर्वाचन किया जाना हो या कोई रिक्ति भरी जानी हो, तो रिटनिंग अधिकारी उपबन्ध “क” में निर्वाचन की बाबत निर्देश करते हुए समस्त निर्वाचकों को निम्नलिखित सूचना जारी करेगा:—

- (क) निर्वाचन की तारीख ;
- (ख) भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या ;
- (ग) तारीख और समय जिस तक अभ्यर्थी को नाम निदिष्ट किया जाना चाहिए ;
- (घ) नामांकन पत्रों की संवीक्षा की तारीख और समय ;
- (ङ) तारीख और समय जिस तक प्रत्यर्थी अपनी अभ्यर्थिता प्रत्याहृत कर सकता है ; और
- (च) मतदाताओं सम्बन्धी किसी अन्य जानकारी का पूछा जाना।

(2) सूचना की एक प्रति रजिस्ट्रार के कार्यालय में सूचनापट पर चिपकाई जायेगी और यही हिन्दी और अंग्रेजी के मुख्य समाचार पत्रों में भी प्रकाशित की जायेगी।

5. मतदाताओं की अर्हताएं—(1) कोई भी व्यक्ति तब तक मत डालने या निर्वाचित किए जाने के लिए अर्हित नहीं होगा जब तक कि अधिनियम की धारा 15 और 16 के अधीन तैयार किए गए रजिस्टर के भाग “क” और “ख” में उसका नाम दर्ज नहीं कर दिया जाता है।

(2) मतदाता का नाम, निर्वाचक नामावली से इस कारण नहीं हटाया जायेगा कि वह अन्तिम रजिस्टर के पश्चातवर्ती प्रकाशन के कारण उस हैसियत में नहीं रहा जिसके लिए वह रजिस्ट्रीकृत था ; परन्तु निर्वाचन के अभ्यर्थी के पास अपेक्षित अर्हताएं/प्रास्थिति अवश्य रहनी चाहिए जिसके आधार पर वह निर्वाचन लड़ रहा है।

6. रिटनिंग अधिकारी—रजिस्ट्रार रिटनिंग अधिकारी होगा और रिटनिंग अधिकारी के समस्त कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

7. नामांकन पत्र दाखिल करना—प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए एक निर्वाचक द्वारा उपबन्ध “ख” में दिए प्ररूप पर, जो कि रजिस्ट्रार के कार्यालय में उपलब्ध होगा, प्रस्तावित और एक अन्य निर्वाचक द्वारा समर्थित किए जाने की अपेक्षा की जायेगी और नामांकन पत्र के साथ 250 (दो सौ पचास) रुपये की प्रतिभूति रजिस्ट्रीकृत लिफाफे में कार्यालय समय के दौरान रिटनिंग अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से प्रदान करके उसे

लिखित रसीद प्राप्त करके अशेषित की जायेगी ताकि वह प्रयोजना के लिए अधिसूचित तारीख और समय तक उसके पास पहुंच जाए।

8. प्रतिभूति का समय हरण और प्रतिदाय.—ऐसे अभ्यर्थी की प्रतिभूति रकम सम्पद्ध कर ली जायेगी जिसके पक्ष में कुल विधिमाम्य मतों के 1/6 भाग से अधिक मत नहीं पड़ने या कुल विधिमाम्य मतों के पूरे 1/6 भाग मत पड़े हैं। प्रतिभूति जमा ऐसी दशा में वापिस कर दी जायेगी यदि अभ्यर्थी ने प्रयोजन के लिए विहित तारीख और समय तक तथा रिटनिंग अधिकारी को सूचित करके अपना नामांकन पत्र प्रत्याहृत कर लिया है या यदि अभ्यर्थी निर्वाचित कर लिया जाता है, किन्तु उसके पक्ष में विधिमाम्य मतों के 1/6 भाग से अधिक मत पड़े हैं या यदि निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी की मृत्यु मतदान प्रारम्भ होने से पूर्व हो जाती है।

9. नामांकन पत्रों की सम्मति.—(1) प्रस्तावित अभ्यर्थी निर्वाचन में खड़ा होने में सहमति प्रकट करने के प्रतीक स्वरूप अपना नामांकन पत्र हस्ताक्षरित करेगा।

(2) निर्वाचक उतने व्यक्तियों के नाम निर्दिष्ट करने का हकदार होगा जितनी की रिक्तियां हैं।

10. नामांकन पत्रों की संवीक्षा.—(1) सब नामांकन पत्रों की संवीक्षा, इस प्रयोजन के लिए विहित तारीख को रिटनिंग अधिकारी द्वारा की जायेगी।

(2) नामांकन पत्र अधिविमान्य घोषित कर दिया जायेगा, यदि,—

- (क) प्रस्तावक या समर्थक ने, रिक्तियों की संख्या से अधिक नामांकन पत्र हस्ताक्षरित किए हैं ;
- (ख) नामांकन पत्र अभ्यर्थी या प्रस्तावक या समर्थक द्वारा हस्ताक्षरित नहीं है ;
- (ग) नामांकन पत्र रिटनिंग अधिकारी के नाम सम्बन्धित नहीं है और प्रयोजन के लिए अधिसूचित तारीख और समय के भीतर, उसके पास रजिस्ट्रीकृत लिफाफे में नहीं पहुंचता है या उसको व्यक्तिगत रूप में वितरित नहीं किया जाता है ;
- (घ) नियम 7 के अधीन अपेक्षित प्रतिभूति के रूप में जमा की जाने वाली 250/- रुपये की राशि अभ्यर्थी द्वारा नियत तारीख और समय के भीतर कार्यालय में प्राप्त नहीं हुई ;
- (ङ) इसमें प्रस्तावक और समर्थक का रजिस्ट्रीकरण नहीं दिया है और अधिनियम की धारा 15 और 16 के अधीन तैयार किए गए रजिस्टर के भाग "क" और "ख" ही हैं, या यदि किसी की रजिस्ट्रीकरण संख्या और रजिस्टर भाग गलत प्रतीत होते हैं ; और
- (च) अभ्यर्थी ने जिस अपेक्षित अहंता प्रास्थिके आधार पर निर्वाचन लड़ रहा है उस में बैठता है ;
- (छ) अभ्यर्थी या उसके द्वारा लिखित रूप में नियुक्त प्रतिनिधि, नामांकन पत्रों की संवीक्षा के समय हाजिर हो सकता है ;
- (ज) अभ्यर्थी की सूची जिस नामांकन पत्र विधिमाम्य घोषित कर दिए गए हैं ;
- (झ) जो दिन रिटनिंग अधिकारी के कार्यालय में सूचना पट पर चिपका कर प्रकाशित कर दी जायेगी और सूची कथित निर्वाचन के लिए समदिष्ट अभ्यर्थियों में से प्रत्येक को भेज दी जायेगी।

11. निर्वाचन लड़ने से प्रत्याहरण.—अभ्यर्थी प्रत्याहरण पत्र (जो सम्यक रूप से उसके द्वारा हस्ताक्षरित होगा) और या तो प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट या राजपत्रित अधिकारी द्वारा अनु-प्रमाणित होगा) रिटनिंग अधिकारी को व्यक्तिगत रूप में रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजकर, ताकि प्रयोजन के लिए उसे नियत तारीख और समय में पहुंच सके, निर्वाचन लड़ने से अपना नाम प्रत्याहृत कर सकता है। एक बार किया गया प्रत्याहरण अन्तिम होगा।

12. निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची.—नामांकन के प्रत्याहरण के लिए निबत समय के समाप्त हो जाने के तुरन्त पश्चात् रिटनिंग अधिकारी निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की अन्तिम सूची अपने कार्यालय के सूचना पट पर चिपकाकर अधिसूचित करेगा।

13. निर्वाचन प्रक्रिया.—यदि निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या रिक्तियों की संख्या के समान हो, तो सभी अभ्यक्त: निर्वाचित घोषित कर दिए जायेंगे। यदि ऐसे अभ्यर्थियों की संख्या रिक्तियों की संख्या से कम हो तो ऐसे सभी अभ्यर्थी निर्वाचित घोषित कर दिए जायेंगे और रिटनिंग अधिकारी (रजिस्ट्रार) शेष रिक्तियों को भरने के लिए नई सूचना जारी करेगा। यदि ऐसे अभ्यर्थियों की संख्या भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या से बढ़ जाती है तो रिटनिंग अधिकारी विहित प्रक्रिया से निर्वाचन को व्यवस्था करेगा। निर्वाचन का स्थान, तारीख और समय अधिसूचित किया जायेगा।

(क) मत, मत पत्र पर उपाबन्ध "ग" में अंकित किए जायेंगे।

(ख) प्रत्येक मतदाता के मत भरे जाने वाले रिक्तियों के समान होंगे और मतदाता अपना मत देने समय अपने मत पत्र पर चिन्ह "X" या "✓" अंकित करेगा। यह जिस अभ्यर्थी या जिन अभ्यर्थियों को मत देना चाहता है उसके नाम के सामने "X" या "✓" चिन्ह अंकित करेगा।

(ग) मतदाता, मतपत्र लिफाफे में रखकर उसे मोहरबन्द करेगा और उसके बाहर किसी प्रकार का चिन्ह अंकित नहीं करेगा और उसे मतदान की तारीख को रिटनिंग अधिकारी के नाम सम्बोधित करके भेजेगा ताकि मतपत्र के रजिस्ट्रीकृत मत पत्र की प्राप्ति के लिए अधिसूचित तारीख और समय के भीतर उसके पास पहुंच जाए। "शब्द होम्योपैथिक निर्वाचन के लिए मतपत्र" रजिस्ट्रीकृत लिफाफे के ऊपरी सिरे पर अधोरेखांकित किए जायेंगे।

14. मतपत्र का स्वरूप.—मतपत्र में उपबन्ध "ग" में वर्णानुक्रम में नाम निर्दिष्ट अभ्यर्थियों के नाम दर्शित होंगे। इन पर रिटनिंग अधिकारी की मोहर लगाई जायेगी और उन पर वह अपने हस्ताक्षर भी करेगा। निम्न नामावली में मतदाता की क्रम संख्या मत पत्र की प्रतिपत्नी में अंकित की जायेगी। मतपत्र के साथ अग्रपिप्त पत्र लगाया जायेगा जिस में तारीख और समय दिया जायेगा जिसका मतपत्र डाक प्रमाण पत्र अधीन भेजा जायेगा और उसमें विभिन्न निर्वाचकों से प्राप्त मतपत्र की गिनती की तारीख और समय भी अन्तर्निहित होंगे।

15. मतपत्रों का ठीक समय पर भेजा जाना.—रिटनिंग अधिकारी यह बात सुनिश्चित करेगा कि मतपत्र मतदान की तारीख से पूर्व अपने मत डालने के लिए प्रत्येक मतदाता के पास पहुंच जाने चाहिए।

16. मतपत्रों को रद्द करने की प्रक्रिया.—(1) मतों की गणना के समय, नियम 3(2) (ग) में निर्दिष्ट लिफाफे जिसमें मतपत्र रखे गए हों, गिनती में शामिल नहीं किए जायेंगे, यदि वह,—

(क) मतपत्र की प्राप्ति के लिए अधिसूचित समय के पश्चात् प्राप्त हुआ है;

(ख) रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा प्राप्त नहीं हुआ है;

(ग) रिटनिंग अधिकारी के नाम सम्बोधित नहीं किया गया है; और

(घ) रजिस्ट्रीकृत पत्र द्वारा प्राप्त नहीं हुआ है और उसके ऊपरी भाग पर शब्द "होम्योपैथिक निर्वाचन के लिए मतपत्र" नहीं लिखे गए हैं।

(2) रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा मतपत्र, विभिन्न निर्वाचकों से प्राप्त मतपत्र पत्रों की गणना की तारीख को खोजे जायेंगे और रिटनिंग अधिकारी के पर्यवेक्षणाधीन अभ्यर्थियों या उसके द्वारा मही रूप से नामनिर्दिष्ट अभिकर्ताओं की उपस्थिति में उनकी गणना जब तक पूरी नहीं हो जाती है बिना किसी व्यवधान के की जायेगी। गणना पूरे होने के तुरन्त पश्चात् परिणाम घोषित कर दिया जायेगा:—

(क) रिटनिंग अधिकारी यह निश्चय करेगा कि मतपत्र विधि मान्य है या अविधिमान्य;

(3) (ख) रिटनिंग अधिकारी मत पत्र को सकल अन्तर्णीय मत से भिन्न अन्य किसी ढंग द्वारा निर्वाचन कराने की स्थिति में अविधिमान्य रूप से रद्द कर देगा:—

(i) जिस पर चिन्ह (X) या "✓" नहीं है; या

(ii) जिस पर चिन्ह "X" या "✓" इस प्रकार से लगाया गया है जिससे संदेह उत्पन्न हो जाए कि यह किस अभ्यर्थी के लिए है; या

(iii) जिस पर चिन्ह "X" या "✓" भरी जाने वाली रिक्तियों में अधिक अभ्यर्थियों के नाम के सामने लगाया गया है।

(घ) मतपत्र पर आकृति या चिन्ह "X" या "✓" की विरूपिता, जैसी भी स्थिति हो, जिसमें संदेह उत्पन्न हो जाना है कि चिन्ह "X" या "✓" है जैसा कि मूल रूप में अंकित किया गया था या उसका बदलने, छिपाने या मिटाने का प्रयास किया गया है, वह अवधिमान्य हो जायेगा।

(ङ) ऐसे रद्द किए गए मतपत्र पर रिटनिंग अधिकारी शब्द "रद्द" पृष्ठांकित करेगा और रद्दकरण के आधार पर संक्षिप्त उल्लेख करेगा, ऐसे मतपत्र पृथक बण्डल (ट्रे) में रखे जायेंगे और ये अभ्यर्थियों या उनके अभिकर्ताओं की उपस्थिति में मोहरबन्द किए जायेंगे।

१७. गणना के स्थान में प्रवेश.—अभ्यर्थी या अभिकर्ता जो अभ्यर्थी द्वारा प्राधिकृत मतदाता होने चाहिए मतपत्रों की गणना के समय हाजिर रहने के लिए अनुज्ञात होगा।

१८. रिटनिंग अधिकारी के विनिश्चय का अन्तिम होना.—मतपत्र की विधिमान्यता पर या अन्यथा रिटनिंग अधिकारी के विनिश्चय की बावत कोई भी आक्षेप तुरन्त अर्थात् जब मतपत्रों की गणना की जा रही हो, लिखित रूप से किया जायेगा और मतपत्र केन्द्र सम्बन्धी आक्षेप मतदान के समय और तारीख के भीतर लिखित रूप में रिटनिंग अधिकारी को किया जायेगा। रिटनिंग अधिकारी आक्षेप पर विचार करेगा और उसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

१९. मतपत्रों की गणना, प्रक्रिया और संवीक्षा.—(क) रिटनिंग अधिकारी, प्रथमतः रजिस्ट्रीकृत मत आवरणों को खोलेगा, उनमें से मतपत्रों को निकालेगा और उनकी गणना करेगा और उनकी संख्या का कथन अभिलिखित करेगा ;

(ख) उन आवरण से निकाले गए मतपत्रों की संवीक्षा करेगा; और

(ग) उन मतपत्रों को जो विधिमान्य समझे जाते हैं रद्द किए गए मतपत्रों से अलग करेगा।

२०. अभिलेख को मोहर बन्द और पैक करना.—अविधिमान्य मतपत्रों को रद्द करने के पश्चात् रिटनिंग अधिकारी :—

(क) पैकेट में जोष मतपत्रों को सुव्यवस्थित रूप में रखेगा;

(ख) उपाबन्ध "घ" के प्ररूप पर परिणाम शीघ्र तैयार करेगा।

(ग) गणना करेगा और प्रत्येक पार्सल में मतपत्र की संख्या और कुल संख्या अभिलिखित करेगा, और

(घ) प्रत्येक अभ्यर्थी के नाम उसके पार्सल में मतपत्रों की कुल संख्या को जोड़ेगा।

२१. मतों के एक समान होने की स्थिति में लाट द्वारा निश्चय.—यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थी अधिकतम एक समान मत प्राप्त करते हैं तो रिटनिंग अधिकारी लाट द्वारा विनिश्चय करेगा कि इन अभ्यर्थियों में से कौन निर्वाचित हो।

२२. पुनःगणना के लिए उपबन्ध.—कोई भी अभ्यर्थी या उसका अभिकर्ता, मतों की गणना के दौरान किसी भी समय सब अभ्यर्थियों या किसी एक के मतों की पुनःगणना करने के लिए रिटनिंग अधिकारी को लिखित रूप में प्रार्थना कर सकता है और रिटनिंग अधिकारी तदनुसार तुरन्त मतों की पुनःगणना करेगा। रिटनिंग अधिकारी स्वयं विवेकाधिक से भी किसी भी स्थिति में एक या अधिक बार मतों की गिनती पुनः कर सकता है यदि उसका किसी पूर्व गिनती में सही होने का समाधान न हो; परन्तु रिटनिंग अधिकारी मतों की एक से अधिक बार गणना करना आवश्यक नहीं होगा।

२३. परिणाम की घोषणा.—(१) गणना पूरी होने पर रिटनिंग अधिकारी निर्वाचित अभ्यर्थी/अभ्यर्थियों या उनके अभिकर्ताओं की उपस्थिति में जो सम्यक रूप से निर्वाचित हुआ है, घोषित करेगा।

(2) रिटनिंग अधिकारी अलग पैकेट में विधिमाम्य और मूहर मतपत्रों को मोहरबन्द करेगा और, प्रत्येक पैकेट पर इनकी विषय वस्तु का विवरण और निर्वाचन की तारीख अभिलिखित करेगा।

24. मतपत्रों की अभिरक्षा.—रिटनिंग अधिकारी निर्वाचन की तारीख से अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधियों (अभिकर्ताओं) की उपस्थिति में, यदि उपस्थित हो, निर्वाचन से सम्बन्धित मोहरबन्द किए जाने वाले सब मतपत्रों को छः घण्टा की अवधि तक आवरण में सुरक्षित रखेगा और राज्य सरकार के किसी निदेश के अधीन उनको नष्ट भी करा सकेगा।

उपबन्ध "क"

[नियम 4(1) देखें]

हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति परिषद्
निर्वाचन कार्यक्रम की सूचना

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि:—हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के लिए रजिस्टर भाग "क" में प्रविष्ट होम्योपैथिक व्यवसायियों में से 3 और भाग "ख" में प्रविष्ट व्यवसायियों में से 2 सदस्यों के लिए तारीख.....को निर्वाचन किया जाना है।

(2) नामांकन पत्र अभ्यर्थी या उसके प्रस्तावक द्वारा रिटनिंग अधिकारी को तारीख.....या उससे पूर्व व्यक्तिगत रूप में या डाक द्वारा वितरित किए जा सकते हैं।

(3) नामांकन पत्र के प्रकाश रिटनिंग अधिकारी से किसी भी कार्य दिवस में केवल 25 रुपये के संदाय पर प्राप्त किए जा सकते हैं।

(4) नामांकन पत्रों की संवीक्षा.....को होगी।

(5) अभ्यर्थिता के प्रत्यहरण की सूचना के प्रयोजन के लिए अभ्यर्थी या उसके द्वारा सम्यक रूप से लिखित रूप में प्राधिकृत प्रस्तावक द्वारा रिटनिंग अधिकारी को.....बजे तक.....तारीख को दी जा सकेगी।

(6) मत गणना.....को.....(स्थान) में रिटनिंग अधिकारी के कार्यालय में बजे होगी तथा पत्र में उक्त तारीख और समय तक प्राप्त चिह्नित मतपत्रों की गणना की जायेगी।

(7) परिणाम मत गणना के पश्चात् तुरन्त घोषित किया जायेगा।

स्थान.....

तारीख.....

.....
(नाम)
रिटनिंग अधिकारी

उपबन्ध "ख"

(नियम 7 देखें)

नामांकन पत्र

होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति राज्य परिषद् का निर्वाचन

मेंश्री को उक्त परिषद् के सदस्य अभ्यर्थी के लिए सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट करता हूँ।

अभ्यर्थियों के पिता या पति का नाम रजिस्टर में क्रमांक
 पता क्या अधिनियम की धारा 16
 के अधीन रजिस्टर के भाग "क" या "ख" में रजिस्ट्रीकृत है ?

उसका नाम, निर्वाचक नामावली में क्रमांक पर प्रविष्ट है।
 मेरे समर्थक का नाम निर्वाचक नामावली में क्रमांक पर प्रविष्ट है।

प्रस्तावक के हस्ताक्षर,
 रजिस्ट्रीकरण संख्या भाग

मैं श्री के नाम निर्देशन का समर्थन करता हूं।
 तारीख

समर्थक के हस्ताक्षर
 रजिस्ट्रीकरण सं० भाग

मैं उक्त उल्लिखित अभ्यर्थी इस नाम निर्देशन से सहमत हूं और एतद्द्वारा घोषित
 करता हूं कि मेरा नाम रजिस्टर के भाग में प्रविष्ट है।

तारीख

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर,
 रजिस्ट्रीकरण सं०

(रिटनिंग अधिकारी द्वारा भरा जाये)

नामांकन पत्र का क्रमांक
 यह नामांकन पत्र मुझे में बजे तारीख

..... को अभ्यर्थी/समर्थक (स्थान) वितरित किया गया था।
 (नाम)

तारीख

रिटनिंग अधिकारी

नामांकन पत्रों की स्वीकृति या अस्वीकृति करने वाले रिटनिंग अधिकारी का विनिश्चय
 मैंने इस नामांकन पत्र की विधि के अनुसार परीक्षा कर ली है और मैं निम्नलिखित विनिश्चय करता हूं।

स्थान

रिटनिंग अधिकारी।

तारीख

उपबन्ध "ग"

(नियम 14 देखें)

हिमाचल प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति परिषद् डाक मतपत्र

भाग-1

संख्या

निर्वाचक नामावली भाग से

निर्वाचक का क्रमांक

भाग-क में रजिस्ट्रीकृत अभ्यर्थी के लिए डाक-मत पत्र

क्रमांक	अभ्यर्थी का नाम	"X" या "✓" चिन्ह के लिए स्थान
1	2	3
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

उपबन्ध "ग"

भाग-2

भाग-ख में रजिस्ट्रीकृत अभ्यर्थी के लिए डाक मतपत्र

क्रमांक	अभ्यर्थी का नाम	चिन्ह "X" "✓" के लिए स्थान
1	2	3
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

हस्ताक्षर या निशान अंगठा

टिप्पणी.—1. डाक-मतपत्र-‘क’ से केवल तीन सदस्य निर्वाचित किए जाने हैं। अतः केवल तीन सदस्यों के चिन्ह लगाइए।

2. डाक मत-पत्र-‘ख’ से केवल दो सदस्य निर्वाचित किए जाने हैं। अतः केवल दो सदस्यों के लिए चिन्ह लगाइए।

उपबन्ध "घ"

(नियम 20 देखें)

.....के भाग क की परिणाम शीट

मतपत्रों की कुल संख्या ५	डाले गए मतपत्रों की कुल संख्या	रद्द किए गए मतपत्रों की कुल संख्या	स्वीकृत विधिमाम्य मतपत्रों की कुल संख्या	विधिमाम्य मतों की कुल संख्या
1	2	3	4	5

भाग-क

अभ्यर्थियों के नाम 6	प्रति मत पेटिका में डाले गए विधिमाम्य मतों की गणना 7										प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त कुल मत 8
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1.											
2.											
3.											
4.											
5.											
6.											

कुल विधिमाम्य मत

उपबन्ध "घ"

३३

(नियम 20 देखें)

.....के भाग ख की परिणाम शीट

1	2	3	4	5
मत पत्रों की कुल संख्या	डाले गए मतपत्रों की कुल संख्या	रद्द किए गए मतपत्रों की कुल संख्या	स्वीकृत विधिमाम्य मतपत्रों की कुल संख्या	विधिमाम्य मतों की कुल संख्या

6	7										8
अभ्यर्थियों के नाम	प्रति मत पेटिका में डाले गए विधिमन्य मतों की गणना										प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त कुल मत
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1.											
2.											
3.											
4.											
5.											
6.											

कुल विधिमन्य मत

आदेश द्वारा,
अरविन्द कौल,
आयुक्त एवम् सचिव (स्वास्थ्य) ।

HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 3rd February, 1987

No. HFW-B(A) 2-1/85.—Whereas the draft Himachal Pradesh Homoeopathic Practitioners Council Membership (Election) Rules, 1986 were published in Rajpatra, Extra-ordinary, Himachal Pradesh dated the 6th August, 1986, as required under sub-section (1) of section 53 of the Himachal Pradesh Homoeopathic Practitioners Act, 1979 (Act No. 3 of 1980) vide Government Notification of even number dated the 20th June, 1986, for inviting objections and suggestions, before the expiry of 30 days from the date of publication, from all persons likely to be affected thereby.

And whereas no objections and suggestions were received from the public on the said draft Rules within the prescribed period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 53 of the Himachal Pradesh Homoeopathic Practitioners Act, 1979, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Homoeopathic Practitioners Council Membership (Election) Rules, 1986.

(2) These shall come into force at once.

2. *Definitions.*—(1) In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context:—

- (a) "Act" means the Himachal Pradesh Homoeopathic Practitioners Act, 1979;
- (b) "Elector" means the registered Practitioners in Homoeopathy as entered in Part A & B of the register maintained, under section 16 of the Himachal Pradesh Homoeopathic Practitioners Act, 1979;
- (c) "Form" means a form or forms appended to these rules,
- (d) "Returning Officer" means the Registrar of the Council of the Homoeopathic System of Medicines, Himachal Pradesh.

(2) All other words and expressions used herein but not defined in these rules shall have the meanings assigned to them in the Act.

3. *Preparation of electoral rolls.*—The Registrar shall prepare the electoral rolls from the Register containing the names of registered Homoeopathic Practitioners under section 15 and 16 of the Act.

4. *Notice of Election.*—(1) Whenever an election is to be held to the Council or a vacancy is to be filled, the Returning Officer shall issue a notice as per Annexure 'A' to all the electors setting forth directions and intimating:—

- (a) the date of election;
- (b) number of vacancies to be filled;
- (c) the date and time by which the candidate should be nominated;
- (d) date and time of scrutiny of nomination papers;
- (e) date and time by which a candidate can withdraw his candidature; and
- (f) ask for any other relevant information in regard to the elector.

(2) A copy of the notice shall be affixed on the notice board in the office of the Registrar as well as published in the leading Newspapers of English and Hindi.

5. *Qualification of Voters.*—(1) No person shall be qualified to vote or to be elected unless his name is entered in Part-A and Part-B of the register maintained under sections 15 and 16 of the Act.

(2) A voter's name shall not be removed from the electoral roll for the reason that the elector has, subsequent to the publication of the final register, ceased to hold the capacity in which he was registered as such:

Provided that a candidate for an election must continue to hold the requisite qualifications/capacity by virtue of which he is seeking election.

6. *Returning Officer.*—The Registrar shall be the Returning Officer and shall carry out all the duties of the Returning Officer.

7. *Filling of nomination papers.*—Every candidate shall be required to be proposed by an elector and seconded by another elector on the form as per Annexure-B which shall be available from the office of the Registrar, and nomination paper along with a bank draft of Rs. 250/- as security should be forwarded to the Returning Officer by name under a registered cover or delivered to him personally during office hours against a receipt in writing, so as to reach him by the date and time notified for the purpose.

8. *Forfeiture, and Refund of Security.*—The security amount shall be forfeited in the case of a candidate who does not poll more than one-sixth of the total valid votes polled as a whole or the candidate has polled exactly one-sixth of the valid votes polled. The security deposit shall be refunded if the candidate has withdrawn his nomination paper by communicating the fact to the Returning Officer by the date and time prescribed for the purpose or if the candidate is elected but he polls more than one-sixth of the valid votes or if a contesting candidate dies before the commencement of the poll.

9. *Consent to nomination.*—(1) The candidate proposed shall sign his nomination paper as a token of his consent to stand for the election.

(2) Elector shall be entitled to nominate as many persons for election as there are vacancies.

10. *Scrutiny of nomination papers.*—(1) All nomination papers shall be scrutinised by the Returning Officer on the date prescribed for the purpose.

(2) A nomination paper shall be declared invalid,—

- (a) if a proposer or a seconder has signed the nomination papers of more candidates than the number of vacancies;
- (b) if the nomination paper is not signed by the candidate or by the proposer or by the seconder;
- (c) if the nomination paper is not addressed to the Returning Officer by name and does not reach him under a registered cover or is not delivered to him personally by the date and time notified for the purpose;
- (d) if a sum of Rs. 250/- required to be deposited as security under rule 7 by the candidate is not received by the Returning Officer within the stipulated date and time;
- (e) if it does not bear the registration number and parts A & B of the register, maintained under sections 15 & 16 of the Act, of the proposer and seconder, or if the registration No. and parts of the register of any of them happen to be inaccurate; and
- (f) if the candidate has ceased to hold the requisite qualification or capacity by virtue of which he is seeking election.

(3) A candidate or a representative of the candidate appointed by him in writing may be present at the time of scrutiny of nomination papers. A list of candidates, whose nomination papers are declared valid, shall be published by affixing the same on the notice board in the office of the Returning Officer on the same day, and a copy of the list shall be forwarded to each of the candidates nominated for election.

11. *Withdrawal from contest.*—A candidate may withdraw his name from contesting and election by presenting a letter of withdrawal duly signed by him, to the Returning Officer personally or send it by registered post so as it reach him by the date and time appointed for the purpose. The withdrawal letter sent by post shall be duly signed by him and attested either by a First Class Magistrate or a Gazetted Officer. A withdrawal once made shall be final.

12. *List of contesting candidates.*—Immediately after the time for withdrawal of nomination papers is over, the Returning Officer shall notify the final list of contesting candidates by affixing the same on the notice board of his office.

13. *Election Procedure.*—(1) If the number of contesting candidates is equal to the number of the vacancies, all such candidates shall be declared to be duly elected. If the number of such candidates is fewer than the number of vacancies, all such candidates shall be declared elected and the Returning Officer (Registrar) shall issue fresh notice to fill the remaining vacancies. If the number of such candidates exceeds the number of vacancies to be filled, the Returning Officer shall arrange election through the prescribed procedure. The place, date and time of election shall be notified.

(2) (a) Votes shall be recorded on the ballot paper as per Annexure-C.

(b) Every voter shall have as many votes as there are vacancies to be filled, and a voter in casting his votes shall place on his ballot paper "X" or "✓" mark in the space opposite the name of the candidate(s) in whose favour he wishes to vote.

(c) The voter shall place the ballot paper in an envelope duly sealed without any kind of mark outside the envelope and forward the same in a registered cover on the date of polling, addressed to the Returning Officer by name, so as to reach him not later than the date and hour notified for the receipt of the registered letter of ballot paper. The words "Ballot Paper for Homoeopathic Election" duly underlined should be written on the top of the registered cover.

14. *Design of ballot paper.*—The ballot paper shall contain the name of duly nominated candidates in alphabetical order in Annexure-C. It shall be stamped with the stamp of the Returning Officer and also signed by him. The serial number of the electoral roll of the voter shall be noted on the counterfoil of the ballot paper. The ballot paper shall be accompanied by a forwarding letter indicating the date and hour, by which the ballot paper shall be posted under postal certificate and shall also contain the date and time of counting of ballot papers received from various electors.

15. *Timely sending of ballot papers.*—The Returning Officer shall ensure that all the ballot papers along with ballot paper cover should reach each voter well before the date of posting of ballot papers, for casting his votes.

16. *Procedure for rejection of votes.*—(1) At the time of counting of votes, an envelope containing the ballot paper etc. referred to in rule 13 (2) (e), shall not be considered, if it is received,—

- (a) after the time notified for the receipt of ballot papers is over;
- (b) otherwise than by Registered post;
- (c) not addressed to the Returning Officer by name; and
- (d) by registered letter not containing the words "Ballot Paper for Homoeopathic Election" at the top of the registered letter.

(2) The ballot papers, received by registered post, shall be opened on the date of the counting of the ballot papers received from the various electors and shall be counted in the presence of candidates or their agents duly nominated by them and under the supervision of the Returning Officer without break until it is completed. The result shall be declared immediately after the counting is complete.

(3) (a) The Returning Officer shall decide whether a ballot paper is valid or is not valid;

(b) The Returning Officer shall reject a ballot paper as invalid;

(c) In the case of election other than by means of single transferable vote:—

- (i) on which there is no 'X' or '✓' mark, or
- (ii) on which the 'X' or '✓' mark is so placed as to render it doubtful to which candidate it is intended to apply; or
- (iii) on which 'X' or '✓' mark are placed opposite the name of more candidates than there are vacancies to be filled.

(d) Any defacement of the figure or the 'X' or '✓' mark as the case may be, on the ballot paper, which make it doubtful whether the figure or 'X' or '✓' mark is, as it was originally made or there has been an attempt to alter, suppress or erase it, shall make the ballot paper invalid; and

(e) On every paper so rejected the Returning Officer shall endorse the word 'Rejected' and shall briefly mention the ground of rejection. Such papers shall be kept in a separate bundle and the bundle shall be sealed in the presence of candidates or their agents.

17. Entry to the place of counting.—A candidate or an agent, who must be a voter authorised by a candidate, shall be allowed be present at the time of counting of ballot papers.

18. Decision of Returning Officer shall be final.—Any objection to the decision of the Returning Officer on the validity or otherwise of a ballot paper shall be made forthwith in writing, *i.e.* when ballot papers are counted, and any objection pertaining to the counting of votes shall be made to the Returning Officer, in writing, on the date and during the time of counting of votes. The Returning Officer shall consider the objection(s) and his decision shall be final.

19. Counting Procedure and Scrutiny of Ballot Papers.—The Returning Officer shall:—

- (a) first open the registered ballot covers, take out from each cover and count the ballot papers contained therein and record their number in a statement;
- (b) scrutinise the ballot papers taken out from the cover; and
- (c) separate the ballot paper which he declares valid, from those which he rejects.

20. Packing and sealing of record.—After rejecting the ballot papers which are invalid, the Returning Officer shall:—

- (a) arrange the remaining ballot papers in a packet;
- (b) prepare the result sheets on the form at Annexure 'D';
- (c) count and record the number of papers in each parcel and the total number; and
- (d) credit to each candidate the total number of votes in the parcel.

21. Decision by lot in case of tie.—If two or more candidates obtain the same number of highest votes, the Returning Officer shall determine by lot as to which out of those candidates is to be elected.

22. Provision for recounts.—Any candidate or his agent may, at any time during the counting of the votes, make a request in writing to the Returning Officer to recount the votes of all candidates or of any candidate; and the Returning Officer shall forthwith recount the same accordingly. The Returning Officer may also, at his discretion, recount votes either once or more often in any case in which he is not satisfied as to the accuracy of any previous count, provided that nothing herein shall make it obligatory on the Returning Officer to recount the votes more than once.

23. Declaration of result.—Upon the completion of counting, the Returning Officer shall declare the name or names of the candidate(s) who have been duly elected in the presence of the candidates or their agents present at the time to counting of votes.

(2) The Returning Officer shall seal in the separate packets the valid and rejected ballot papers and record on each such packet the description of its contents and the date of election to which it refers.

24. Custody of election papers.—The Returning Officer shall retain, until the expiry of six months from the date of election, all the papers connected with the election in a cover, to be sealed in the presence of the candidates or their representatives (agents) if present, and shall then subject to any direction to the contrary given by the State Government, cause them to be destroyed.

ANNEXURE-A

[See rule 4(1)]

COUNCIL OF HOMOEOPATHIC SYSTEM OF MEDICINE. HIMACHAL PRADESH

Notice of Election Programme

Notice is hereby given that:—

- (1) An election is to be held for electing three (3) members from amongst the Homoeopathic Practitioners entered in Part-A, and two members amongst Homoeopathic Practitioners entered in Part-B of the register for the Council of Homoeopathic System of Medicine, Himachal Pradesh on.....(date).
- (2) Nomination paper may be delivered by a candidate or his proposer in person or by post to the Returning officer on or before.....
- (3) Form of nomination paper may be obtained from the Returning Officer from his office on any working day on payment of Rs. 25/- only.
- (4) The nomination paper will be taken up for scrutiny on.....(date).....
- (5) Notice of withdrawal of candidature may be delivered by a candidate or his proposer, duly authorised in writing by the candidate for the purpose, to the Returning Officer upto.....(hours) on.....(date).
- (6) Counting of votes shall be done on.....at.....in the office of the Returning Officer at.....and marked ballot papers received upto the aforesaid date and time only shall be counted.
- (7) The result shall be declared immediately after the counting of votes.

Place.....

.....(Name)

Date.....

Returning Officer.

ANNEXURE-B

(See rule 7)

NOMINATION PAPER

ELECTION TO THE STATE COUNCIL OF HOMOEOPATHIC SYSTEM OF MEDICINE
HIMACHAL PRADESH

I,nominate Shri.....as
a candidate for election as member to the above Council:

Candidate's Father or Husband's name.....

Serial No. in the Register.....

Whether registered in Part A or B of the register under section 16 of the Act.....

Postal address.....
 His name is entered at Serial No..... of the electoral roll.
 My name (proposer's name) is entered at Serial No..... in the electoral roll.

Signature of Proposer

Registration No.....Part.....

I,.....second the nomination of Shri.....

Signature of Seconder

Registration No.....Part.....

I,..... the above-mentioned candidate assent to this nomination and hereby declare that my name is entered in Part..... of the Register.

Signature of candidate

Registration No.....Part.....

Date.....

(To be filled in by the Returning Officer)

Serial No. of Nomination Paper.....

This nomination paper was delivered to me at.....(place) at.....
 (time) on.....(date) by.....candidate/proposer
(time).

Date.....

Returning Officer.

(Decision of the Returning Officer accepting or rejecting the nomination papers)

I have examined this nomination paper in accordance with law and decide as follows:

Place.....

Date.....

Returning Officer.

ANNEXURE-C

(See rule 14)

COUNCIL OF HOMOEOPATHIC SYSTEM OF MEDICINE, HIMACHAL PRADESH

PART I

POSTAL BALLOT PAPER

No.....

Serial Number of Elector.....

Postal Ballot Paper for candidates registered in Part 'A'

Sl.No.	Name of candidate	Space for '×' or '✓' mark
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

PART II

POSTAL BALLOT PAPER FOR CANDIDATES REGISTERED IN PART "B"

Sl.No.	Name of candidate	Space for '×' or '✓' mark
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

Signature or thumb-impression.

- Note:—**1. Only three members are to be elected from Postal Ballot Paper-A, therefore, mark only against three candidates.
2. Only two members are to be elected from Postal Ballot paper-B, therefore, mark only against two candidates.

ANNEXURE-"D"

(See rule 20)

RESULT SHEET OF PART-A.....of.....

1	2	3	4	5
Total No. of ballot papers	Total ballot papers polled	Total ballot papers rejected	Total valid ballot papers accepted	Total valid votes

6	7										8
Name of candidates	Counting of valid votes polled ballot-wise										Total votes received by each candidate
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1.											
2.											
3.											
4.											
5.											
6.											
7.											

Total valid votes.....

ANNEXUR - "B"

(See rule 20)

RESULT SHEET OF PART-B.....of.....

1	2	3	4	5
Total No. of ballot papers	Total ballot papers polled	Total ballot papers rejected	Total valid ballot papers accepted	Total valid votes

6	7										8
Name of candidates	Counting of val d votes polled ballot-wise										Total votes received by each candidate
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1.											
2.											
3.											
4.											
5.											
6.											

Total valid votes.....

By order,
 ARVIND KAUL,
 Commissioner-cum-Secretary (H&FV).